# नव भारत जागृति केन्द्र

NBJK
Since 1971

# NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

*Putting the Last First*

सूचना पत्र

NEWS LETTER

जुलाई - सितम्बर 2016 | www.nbjk.org | July - September 2016


## दुमका में एकीकृत स. आ. पुनर्वास और नेत्र सुरक्षा सेवाएँ

जनवरी 2010 में न.भा.जा. केन्द्र ने झारखण्ड के दुमका जिला में सीबीएम-ऑसएड के सहयोग से एकीकृत समुदाय आधारित पुनर्वास व नेत्र सुरक्षा सेवाओं का कार्यक्रम शुरू किया था। इसका पहला चरण दिसम्बर 2014 में समाप्त हुआ, जब संस्था ने जिला के चार प्रखंडों - दुमका सदर, काठीकुंड, जामा और जरमुंडी में सेवा और अधिकार आधारित पद्धति पर कार्य किया था। जनवरी - दिसम्बर'15 के दौरान द्वितीय चरण में अधिकार आधारित पद्धति पर अन्य छह प्रखंडों - सरैयाहाट, रामगढ़, गोपीकान्दर, शिकारीपाड़ा, रानीश्वर और मसलिया में काम हुए। वर्ष 2016 से न.भा.जा. केंद्र सीबीएम द्वारा बिहार, झारखण्ड और छत्तीसगढ़ के छह जिलों में दिव्यांगों हेतु "समुदाय आधारित एकीकृत विकास से निर्धनता उन्मूलन" सम्बन्धी नेटवर्क का एक सदस्य है।

यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, सामाजिकता और सशक्तिकरण संबंधी स. आ. पुनर्वास के मानकों को पूरा करता है। एक लक्ष्योन्मुखी हस्तक्षेप के तहत इसने 5697 दिव्यांगों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्राप्ति में सहयोग, 177 ईएनटी शिविरों में 8887 मरीजों का इलाज, 223 दिव्यांगों की फिजियोथेरेपी, 1226 को सहायक उपकरण, 522 सहियाओं के साथ जागरूकता अभियान और 522 मानसिक रोगियों की चिकित्सा करवाने में कामयाबी हासिल किया है. 2015-16 के दौरान इस कार्यक्रम के तहत दुमका और निकटवर्ती जिलों के 1975 नेत्र रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन हुआ।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा संबंधी विशेष सेवाओं को इसमें महत्व मिला है। उन्हें पौष्टिक आहार सुविधा के साथ दैनिक जीवन गतिविधि, संकेत भाषा और ब्रेल लिपि संबंधी प्रशिक्षण मिलते हैं। कार्यक्रम अंतर्गत वैसे 212 बच्चों को उनके घर पर सेवा दी गयी और 156 बाधित बच्चों हेतु विद्यालय नामांकन और छात्रवृत्ति सुनिश्चित किया गया। सामान्य बच्चों को दिव्यांगता के मुद्दे पर संवेदनशील बनाने के लिए 12960 बच्चों के साथ 324 स्कूली गतिविधियों का आयोजन भी हुआ।

दिव्यांगजनों के बीच आजीविका प्रोत्साहन और आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण, नियोजन, स्वरोजगार हेतु छोटे अनुदान/ऋण सुविधा और सरकार संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम द्वारा 306 दिव्यांगों को कौशल विकास प्रशिक्षण, ऐसे 147 प्रशिक्षुओं का नियोजन, 107 हेतु स्वमदद समूह/माइक्रोक्रेडिट संपर्क, 4049 का स्वामी विवेकानंद पेंशन योजना से जुड़ाव और प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत 1152 बैंक खातों की शुरूआत से इस प्रयास को बल मिला है।

दिव्यांगों के समुदाय आधारित पुनर्वास में उनकी सामाजिक सक्रियता एक महत्वपूर्ण पक्ष है। इस सिलसिले में 736 ग्राम बैठकों का आयोजन हुआ, जिनमें 22082 लोगों के साथ 1337 दिव्यांग शामिल थे। कार्यक्रम के तहत 180 नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन हुआ, जिन्हें 36000 से अधिक दर्शकों ने देखा और 113 दिव्यांगों ने 130 समावेशी खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। आम लोगों के बीच दिव्यांगता सूचना-शिक्षा-संवाद संबंधी लगभग 9 लाख मुद्रित सामग्रियों का वितरण हुआ और मीडिया/सोशल मीडिया के सहयोग से दिव्यांग/दिव्यांगता सम्बन्धी मुद्दों को एक मजबूत सार्वजनिक मंच मिला है।

दिव्यांग सशक्तिकरण को उनके लिए संचालित समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम का मूल विषय मानते हुए उन्हें समूह और फेडरेशन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। फिलहाल 5 दिव्यांगजन संगठनों और 17 दिव्यांग स्वमदद समूहों के 467 सदस्य हैं। स्थानीय पंचायती राज संस्थानों से उनके संयोजन का प्रयास होता है। इन्होंने कल्याण योजनाओं से जुड़ाव, श्रवण रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी सड़क और परिवहन सुविधा की मांग किया है।

## Integrated CBR and Eye Care Services in Dumka

In January 2010, NBJK started a program of Integrated Community Based Rehabilitation & Eye Care Services in Dumka district of Jharkhand with support of CBM and AusAid. Its first phase completed in December 2014 when the organization has worked with Services & Rights based mode in four blocks - Dumka Sadar, Kathikund, Jama and Jarmundi. The second phase was for January to December in 2015 with coverage of more 6 blocks as Saraiyahat, Ramgarh, Gopikandar, Shikaripara, Ranishwar and Masalia with Right based mode. From 2016, NBJK is a partner organization of CBM supported network of NGOs in Bihar, Jharkhand and Chhattisgarh under an initiative as "Poverty Reduction through Community Based Inclusive Development of PwDs" in 6 districts of these states.

The program follows 5 points CBR Matrix on Health, Education, Livelihood, Social and Empowerment. In course of a focused intervention, this promoted 5697 PwDs to get disability certificates, 177 ENT camps for 8887 patients, physiotherapy for 223 PwDs, assistive devices for 1226, awareness drive with 522 village health workers (Sahiya) and treatment for 212 mentally ill/epileptic patients. During 2015-16, the program has insured cataract surgery for 1975 people from Dumka and adjacent districts.

Education for CwDs is a vital issue addressed through specialized services for such children. They get nutritional food; learn ADL, sign language and Braille script. The program has ensured home based education to 212 CwDs, school enrollment & scholarship support to 156 challenged children and organized 324 sensitization events among 12960 school students.

Livelihood and economic security of PwDs is being promoted with skill development training, placement, small grant/credit support and enrollment under government social security schemes. The program has provided skill development training to 306 PwDs, arranged job fare for 147 trained persons, promoted SHGs & microcredit to 107, linked 4049 people to Swami Vivekanand Pension Scheme and 1152 beneficiaries have opened account under Pradhan Mantri JanDhan Yojna to cover accidental insurance.

Social life of PwDs/CwDs is an important aspect of CBR for such people. There were 736 village meetings with 22082 people and 1337 PwDs have attended these meetings. It arranged 180 street plays over disability issue for more than 36000 audiences and encouraged 113 PwDs to join 130 inclusive sports events. About 9 lacs items of specially developed IEC materials have been distributed amid people. With support of local/social media, it ensures a strong public platform for people with disabilities.

Empowerment of PwDs is the essence of any CBR initiative and they were mobilized to form groups/DPOs. There are 467 PwDs as members in 5 DPOs and 17 SHGs. Also they take part in local governance through coordination between DPOs and PRIs. DPOs have demanded for convergence of welfare schemes, hearing specialist doctors, and good link road with transportation facility in their areas.

## सर्वधर्म बैठक, दावत–ए–इफ्तार और स्वतंत्रता दिवस

**4 जुलाई-15 अगस्त, हजारीबाग-बोधगया:** न.भा.जा. केन्द्र ने सर्वधर्म समभाव सम्मेलन और इफ्तार की दावत आयोजित किया था. विषय प्रवेश कराते हुए श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष) ने प्रेम को सभी धर्मों का सार माना और समस्त पैगम्बरों-अवतारों को श्रद्धा का पात्र कहा, जिनके त्याग से इन्सानियत को नयी रौशनी मिली है। मो. इस्लाम खान ने उस एकमात्र, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान परमेश्वर को लेकर वेदों और कुरान जैसे पवित्र ग्रंथों के बीच अद्भुत समानता का जिक्र किया। इस सम्मेलन में विभिन्न धर्मों से जुड़े सामुदायिक नेतागण और महिलाओं-बच्चों सहित लगभग 150 रोजेदार शामिल थे। संस्था द्वारा उत्साहपूर्वक स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भी किया गया। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता की 70वीं वर्षगांठ पर संयोजन कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद अपने सम्बोधन में संस्था के कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा ने तिरंगा झंडा को राष्ट्रीय ऊर्जा की जन्मस्थली कहा, जिससे न.भा.जा. केन्द्र को लोगों के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है। संस्था के बहेरा गांव (चौपारण, हजारीबाग) स्थित मुख्यालय में आयोजित समारोह के दौरान श्री सतीश गिरिजा (सचिव) ने झंडोत्तोलन किया और लोगों से राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने की अपील किया। इस अवसर पर सुरेखा प्रकाशभाई विद्यालय के बच्चों द्वारा आकर्षक परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी हुई। बोधगया में कोमल पूजन विद्यालय और लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन के बच्चों ने भी स्वतंत्रता दिवस समारोह का आकर्षक आयोजन किया था।

## All Faiths Meet, Dawat-e-Iftar and Independence Day

**4 July-15 Aug, Hazaribag-BodhGaya:** NBJK has organized a meeting over Religious Harmony and invited Rozedars on Iftar. The theme was introduced by Mr. Girija Satish (President, NBJK) who called love as the essence of every faith and praised all prophets and incarnations for their renunciation as a light to humanity. Md. Islam Khan has discussed over resemblance between holy text of Vedas and Quoran about one, omnipresent and all powerful God without any doubt. The meeting was addressed by community leaders and about 150 Rozedars including women & children have joined Iftar. On 15 August, 70th Independence Day of the nation was celebrated by NBJK with the message of Nation First. At Coordination Office, Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) has hoisted the tricolor in presence of staff members and villagers. After recital of national anthem, Mr. Sharma has addressed the gathering and called our national flag as a constant source of energy to work for people. At Head Office (Bahera), Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) was the chief guest of this celebration who led flag hoisting ceremony and emboldened people to contribute for nation building. On this occasion, children of SPP School, KP School and LBHC have presented attractive parade and cultural activities.

## देखभालकर्ताओं का वार्षिक सेमिनार और केयरर्स डे

**29 जुलाई-24 सितम्बर, हजारीबाग:** अपने निःशक्त/मनोरोगी/वृद्ध परिजनों की देखरेख करने वाले देखभालकर्ताओं के प्रोत्साहन कार्यक्रम अंतर्गत उनका वार्षिक सेमिनार आयोजित किया गया था। इसमें शामिल जिला कल्याण पदाधिकारी श्री आर. एस. ठाकुर ने केयरर्स वर्ल्डवाइड और कॉमनवेल्थ फाउंडेशन (यू.के.) की मदद से संचालित इस कार्यक्रम को लाचार व्यक्तियों की देखभाल हेतु एक अनोखी पहल बताया। इन्होंने महिला देखभालकर्ताओं को मुख्यमंत्री लाड़ली योजना और विधवा सम्मान योजना से जोड़ने में सहयोग का आश्वासन भी दिया। डा. अनिल पाटिल (कार्य. निदेशक, केयरर्स वर्ल्डवाइड) ने दैनिक जीवन की समस्याओं के बावजूद देखभालकर्ताओं द्वारा अपने आश्रितों की देखरेख को अहम मानते हुए उन्हें सहयोग-सम्मान का हकदार कहा। इन्होंने इनके लिए जनपैरोकारी और उपयुक्त नीतियों पर बल देते हुए ***केयरर्स डे*** मनाने की सलाह दिया। तदनुसार 24 सितम्बर को "केयरर्स डे" समारोह का आयोजन किया गया था। मौके पर आमंत्रित जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्री संजय प्रसाद ने उपस्थित देखभालकर्ताओं को निजी/आश्रितों का आधार कार्ड यथाशीघ्र बनवाने का आग्रह किया, क्योंकि सरकारी सुविधा प्राप्ति में उसकी जरूरत है। श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न. भा. जा. केन्द्र) ने टोलफ्री नं. 181 पर मुख्यमंत्री से संपर्क करने अथवा प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम में अपनी समस्या बताने को कहा। श्री राजीव सिंह (कार्य. प्रबंधक) ने देखभालकर्ता प्रोत्साहन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि इसके अंतर्गत 117 लाभुकों को आजीविका सहयोग मिला है और निःशक्तता प्रमाणपत्र (43), पेंशन (21), राशन कार्ड (279), शौचालय (138), अन्य सुविधा (34) प्राप्ति में मदद हुई है। इन आयोजनों में मो. नईम, श्रीमती विमला राणा, श्रीमती प्रतिमा देवी और सर्वश्री पारसनाथ महतो, कमलकान्त पांडेय, सुजीत मिश्र का योगदान रहा।

## Annual Seminar & Carers' Day

**29 July-24 Sep, Hazaribag:** Carer SHGs have participated in a seminar under the program of Promoting Carers of PwDs, mentally ill or old aged sick people with support of Carers Worldwide & Commonwealth Foundation, UK. Mr. R. S. Thakur (District Welfare Officer) has praised Carers program to address a crucial problem differently. The DWO has assured to link women carers with government schemes like Mukhyamantri Ladli Yojna and Vidhwa Samman Yojna for support. Dr. Anil Patil (ED, Carers Worldwide) was for support to carers suffering in their daily lives. They deserve proper advocacy and favorable policy; he opined and appealed to celebrate *Carers Day*. On 24 September, the carers have celebrated Carers Day. During the function, Mr. Sanjay Prasad (District Child Protection Officer) has suggested them to have Aadhar Card as all government facilities will be linked to that soon. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) advised to call the Chief Minister on toll free no. 181 and to join the Prime Minister via his program "Man Ki Baat" for remedial of grievances. Mr. Rajiv Singh (Program Manager) has briefed about the Carers program as livelihood support to 117 beneficiaries and facilitation for disability certificate (43), pension (21), ration card (279), toilet (138) and other entitlements (34) under the program. Md. Nayeem (Asst. PM), Mrs. Vimla Rana, Mrs. Pratima Devi, Mr. Paras Mahto, Mr. Kamalkant Pandey and Mr. Sujit Mishra have contributed to the event.

## बच्चों को सी.ए.एफ. इंडिया, ग्लोबलगिविंग, ओरकेपौड से सहायता

**7 सितम्बर, बोधगया:** सी.ए.एफ. इंडिया प्रायोजित *गिफ्ट अ स्माइल* कार्यक्रम अंतर्गत ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी अमेजन के सौजन्य से लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन के बच्चों को उनके लिए दैनिक उपयोगी वस्तुओं की सौगात मिलती रहती है। ऐसे उपहार प्राप्त करने वाले 49 बच्चों ने उनके लिए कुछ सोचने-करने वाले लोगों को हार्दिक धन्यवाद देने के साथ उन्हें इन उपहारों की उपयोग योजना से भी अवगत कराया है। अगस्त माह में ग्लोबलगिविंग के सहयोग से 25 अनाथ बच्चों के लिए उनके स्कूल फीस और बस भाड़ा की व्यवस्था हुई है। इसी प्रकार, ओरकेपौड कंसल्टिंग सर्विसेज प्रा. लि. ने भी जुलाई महीने में 38 बच्चों की स्कूल फीस और परिवहन खर्च का जिम्मा लिया था। लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन प्रबंधन ने सभी निजी और संस्थागत समर्थकों को के बच्चों की सहायता हेतु धन्यवाद दिया है। वर्ष 2005 में एस.के.बी. (दि निदरलैंड्स) की मदद से प्रारम्भ इस अनाथालय में 69 बच्चों की बेहतर परवरिश हो रही है, वो अच्छे स्कूलों में पढाई करते हैं और न.भा.जा. केंद्र का प्रयास है कि उनका विकास जिम्मेदार नागरिकों के रूप में हो।

## CAF India, GlobalGiving, Orkapod Support to LBHC

**7 September, Bodhgaya:** The orphan children of Lord Buddha Home for Children have got their daily use items via Amazon (Online Shopping company) under *Gift A Smile* program of CAF India. There were 49 children received such gifts to smile and extended their heartfelt thanks to the people came forward for them. The children have expressed their innocent feelings in writing and revealed their plans of using these gifts. Also GlobalGiving has supported 25 children in the month of August for their Tuition Fee and Bus Charge. Likewise Orkapod Consulting Services Pvt. Ltd. has donated for Tuition Fee and Bus Charge to ensure schooling of 38 LBHC children in July. LBHC management has conveyed sincere thanks and best wishes to all individuals and organizations those supported the orphanage. LBHC was established in 2005 with initiative of Stichting Kinderhulp Bodhgaya (the Netherlands) that keeps 69 destitute children with proper care, food, cloth and schooling to mould them as responsible citizens gradually.

## कौशल विकास प्रशिक्षण, अनुदान और सहायक उपकरण

**22 अगस्त-29 सितम्बर, दुमका:** सीबीएम और डीएफएटी (ऑस्ट्रेलिया) की सहायता से संचालित समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम अंतर्गत 16 दिव्यांगों को कंप्यूटर, मोबाइल/साइकिल मरम्मत, टेलरिंग, बेडसाइड पेशेंट अटेंडेंट संबंधी कौशल विकास प्रशिक्षण देने के बाद प्रत्येक प्रशिक्षु को रू. 5000 का अनुदान दिया गया है ताकि वो स्वरोजगार से जुड़ सकें। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक कुमार राजन ने कहा कि दिव्यांगों की आत्मनिर्भरता हमारा उद्देश्य है। 29 सितम्बर को आयोजित एक कार्यशाला में 12 दिव्यांगों के बीच ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र और केन का वितरण किया गया। इन्हें भी चाय-पान गुमटी, छोटी दुकान या खिलौना बेचने जैसे अर्थोपार्जक कार्यों से जुड़ने हेतु प्रति व्यक्ति रू. 5000 का अनुदान प्रदान किया गया। कार्यशाला में दुमका जिला के 10 प्रखंडों से आए मुखिया, आंगनवाड़ी सेविका, सहिया, शिक्षक, दिव्यांग बच्चे/वयस्क और उनके देखभालकर्ता शामिल थे। मुख्य अतिथि श्री अमरेन्द्र यादव (जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी) ने दिव्यांगता जैसे मुद्दे पर न. भा. जा. केंद्र के जमीनी कार्य की प्रशंसा करते हुए हर संभव सहयोग का वचन दिया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रशासन और पंचायती राज संस्थाओं को दिव्यांगों और उनके पुनर्वास के सम्बन्ध में संवेदनशील बनाना था।

## Livelihood Support and Devices to PwDs

**22 August-29 Sep, Dumka:** 16 PwDs have received grant of Rs. 5000 for each after completion of their 6 months skill dev. training on computer, mobile servicing, bicycle repair, tailoring, bed-side nursing etc. under CBR program by NBJK with support of CBM & DFAT (Aus). They will start their own shop or business to use learnt skill for livelihood. During grant distribution ceremony, Mr. K. Rajan (Project Coordinator) has said that self-reliance of PwDs is the key issue, we want to address through the program. Similarly 12 PwDs have been provided aids & appliances like tricycle, hearing aid and cane with a grant of Rs. 5000 for each to start tea stall, petty shop or toy center etc. during a workshop on 29 September. The function was held with stakeholders like Mukhiya, Aanganwadi Sevika, Sahiya, Teacher, CwDs/PwDs & Carers from 10 blocks of Dumka district. Mr. Amrendra Yadav (District Child Protection Officer) was the guest of honor who praised CBR related groundwork by NBJK. The occasion was aimed to sensitize bureaucracy and PRIs towards Disability and community based rehabilitation of the sufferers.

## आँखों की जांच, जनवकालत और क्विज

**अगस्त-सितम्बर, हजारीबाग-कोडरमा:** 27 अगस्त को ए.वी.आइ.-बी.एल.एफ. (यू.के.) समर्थित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत कार्यकर्ताओं हेतु आँखों की सामान्य जांच प्रशिक्षण का आयोजन हुआ, जिसमें लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल के श्री करूणानिधि और टीम ने उन्हें विजन चार्ट, टॉर्च और टेप की मदद से ग्रामीण परिवेश में आँखों की जांच करने से परिचित कराया। 16 सितम्बर को चुरचू प्रखंड के खुरनडीह गांव स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में आयोजित नेत्र जांच शिविर में 70 बच्चों की आँखों का परीक्षण हुआ। 19 सितम्बर को कोडरमा जिला के चंदवारा प्रखंड में सरकारी अधिकारियों, पंचायती राज प्रतिनिधियों और दिव्यांगों के साथ जनवकालत बैठक हुई, जिसमें श्री नन्द लाल (अंचलाधिकारी) और श्रीमती लीलावती देवी (प्रमुख) ने दिव्यांगों की अधिकारिता में सहयोग का वादा किया। श्रीमती सुजाता प्रसाद (कार्यक्रम प्रबंधक) ने शारीरिक-मानसिक बाधाओं से जूझ रहे लोगों के लिए उपलब्ध सरकारी सुविधाओं से उन्हें जोड़ने पर बल दिया। 20 सितम्बर को कटकमसांडी (हजारीबाग) प्रखंड मुख्यालय में आयोजित जनवकालत बैठक में अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री धीरेन्द्र कुमार ने दिव्यांगों हेतु उपलब्ध सुविधाओं को उन तक पहुँचाने की जिम्मेवारी लिया। 28 और 29 सितम्बर को आंगो (चुरचू) और डाटोकला (कटकमसांडी) गांवों में उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच दिव्यांगता सम्बन्धी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आंगो उच्च विद्यालय के कौलेश्वर महतो, शम्भू कुमार, विनोद कुमार मिर्धा और डाटोकला हाई स्कूल के मंटू कुमार सिंह, जीतेन्द्र तुरी, शनिका मुंडा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल कर पुरस्कार प्राप्त किया।

## Eye Check up, Advocacy & Quiz for Disability Rights

**August-September, Hazaribag:** On 27 August, Eye checkup training held for staffs of Disability Rights program with support of AVI-BLF, UK. Mr. Karunanidhi & team (LNJPEH, Chouparan) have taught them about use of vision chart, torch and tape-measure to gauge vision in any less privileged rural setup. On 16 September, a vision camp was organized at Middle School, Khurandih in Churchu block. There were 70 children appeared for checkup, 2 of them were found with 6/9 vision and referred for further treatment. On 19 September, an advocacy meeting with government officials, PRI representatives and PwDs took place at Chandwara, Koderma. Mr. Nand Ram (CO) and Mrs. Lilawati Devi (Pramukh) of Chandwara Block have appreciated the move to sensitize community and government system upon disability. Mrs. Sujata Prasad (PM, Disability Rights) has pleaded for associating PwDs to entitlements. On 20 September, in a meeting at Katkamsaandi block, Mr. Dhirendra Kumar (BDO) has assured for services to PwDs. As school intervention activity, quiz competition around Disability organized at High Schools in Aango (Churchu) and Datokala (K'sandi) villages on 28 & 29 September. The students namely Kauleshwar Mahto, Shambhu Kumar and Vinod Kumar Mirdha (Aango) and Mantu Kumar Singh, Jitendra Turi and Shanika Munda (Datokala) were declared first, second and third at their schools.

## का. प्र., दस्तावेजीकरण, परि. प्रस्ताव पर प्रशिक्षण

**27-28 सितम्बर, हजारीबाग:** न.भा.जा. केंद्र नेटवर्क में शामिल झारखण्ड और बिहार की स्वैच्छिक संस्थाओं के लिए कार्यालय प्रबन्धन, दस्तावेजीकरण और परियोजना प्रस्ताव लेखन पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ, जिसमें उन्हें कार्यालय प्रबन्धन के तौर-तरीकों और किसी संस्था संचालन हेतु जरूरी दस्तावेजों की जानकारी दी गयी। श्री शंकर राणा (स.प्र., कार्यक्रम) ने एफ.सी.आर.ए., ऑडिट और वार्षिक गतिविधियों की चर्चा करते हुए संस्थाओं को स्वैच्छिक क्षेत्र की कानूनी अनिवार्यताओं से परिचित कराया। उन्होंने दस्तावेजों की समुचित फाइलिंग और डिजिटल कॉपी संरक्षण पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमती नलिनी (अग्रिम योजना) ने परियोजना प्रस्ताव लेखन की बुनियादी बातों से अवगत कराया और उन कारणों की ओर ध्यान आकृष्ट किया, जिनसे प्रस्ताव खारिज हो जाते है। अभ्यास सत्र में प्रतिभागियों ने प्राप्त जानकारी के आधार पर नमूना प्रस्ताव बनाए थे। प्रशिक्षण में 24 संस्थाओं के सचिव अथवा सक्षम कार्यकर्ता शामिल हुए। बी.एफ.डब्लू. (जर्मनी) की सहायता से संचालित सामाजिक कार्यकर्ता सहयोग कार्यक्रम अंतर्गत इस प्रशिक्षण के संयोजक श्री राजीव सिंह (कार्यक्रम प्रबंधक) थे।

## Training on Office Mgmt., Doc. and Project Proposal

**27-28 September, Hazaribag:** NBJK Network Voluntary Organizations from Jharkhand and Bihar were offered 2 days residential training on Office Management, Documentation and Project Proposal Writing. They have been provided an idea to run a formal office set up and the documents needed by any VO for its active continuation. Mr. Shankar Rana (Asst. Program Manager) has shared new developments related to legal obligations for VOs with a discussion over FCRA, Audit and Annual Report etc. He demonstrated proper scheme of filing and digital copies of all requisites. Mrs. Nalini (Advance Planning, NBJK) has presented a basic outline for project proposal writing and pointed out some common reasons behind any negation for proposals. During exercise session, the VOs have practiced to come forward with such ideas. There were 24 VOs in the training represented by their Secretaries or capable staffs. Mr. Rajiv Singh has coordinated the training took place under the program of Support to Social Activists with BFW, Germany.

# वित्तीय साक्षरता और समावेषण पर कार्यशाला

**30 सितम्बर 2016, हजारीबाग:** एक्सिस बैंक फाउंडेशन, मुंबई के सहयोग से संचालित रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत युवा प्रशिक्षणार्थियों के बीच स्वरोजगार प्रोत्साहन की दृष्टि से आयोजित वित्तीय समावेषण कार्यशाला में बैंक अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। एनबीजेके सचिव सतीश गिरिजा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्था के कार्यक्रमों की जानकारी दिया। एक्सिस बैंक के स्थानीय प्रबंधक अखिलेशचन्द्र झा ने युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा को अहम बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण समाप्ति के बाद उद्यमिता के मद्देनजर बैंकों की भूमिका शुरू होती है और हम पूंजी उपलब्धता में सहयोग करेंगे। नाबार्ड डीडीएम वी. बी. नायक ने युवा प्रशिक्षुओं को आश्वस्त किया कि यदि सीखे गए हुनर को उद्यमिता में बदलना है तो मुद्रा, स्टार्टअप/स्टैंडअप इंडिया के तहत पूंजी की व्यवस्था है। इन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना/बीमा सुरक्षा योजना/अटल पेंशन योजना/फसल बीमा योजना आदि की चर्चा करते हुए युवाओं हेतु वित्तीय साक्षरता पर जोर दिया। डीडीएम ने बैंकों के आपसी जुड़ाव, सहयोगी संस्थाओं द्वारा प्रशिक्षुओं की ट्रैकिंग, एस्कॉर्ट सेवा और आधार कार्ड की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। वित्तीय साक्षरता एवं परामर्श केन्द्र के आशीष चक्रवर्ती ने रोजगार कार्यक्रम प्रशिक्षुओं से बैंकिंग कारोबार से जुड़ी बुनियादी बातों की जानकारी रखने का आग्रह किया और कहा कि एक तैयारी के साथ स्वरोजगार हेतु बैंकों की मदद लें। वक्ताओं ने युवाओं की ओर से आए अनेक प्रश्नों के उत्तर भी दिये। कार्यशाला का संचालन रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के राज्य प्रबंधक कौशल किशोर ने किया और सहयोगी टीम में कीर्ति रावत, लल्लन साव, सुबोध कुमार थे।

# Workshop on Financial Inclusion & Literacy

**30 September, Hazaribag:** A workshop upon Financial Inclusion and Literacy held under the Program of Sustainable Livelihood with support of Axis Bank Foundation, Mumbai. This guided for self employment among youths under skill development training at Rojgar Training Center. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has welcomed all and briefed about NBJK programs. Mr. Akhilesh Jha (Branch Manager, Axis Bank) has favored technical skills for youths and said about post training role of banks to support any self-employment initiative. Mr. V. B. Nayak (DDM, NABARD) has assured the trainees for financial input under Mudra/Startup/Standup India if they want to convert their skill into entrepreneurship. He discussed about PM Jandhan Scheme/Bima Suraksha Scheme/Atal Pension Scheme/Crop Insurance Scheme etc. and motivated the youths to have financial literacy. Mr. Nayak has talked about inter-bank linkage, tracking of trainees by NGOs and need of Adhar card for services. Mr. Ashish Chakravorty (Fin. Literacy & Counseling Center) has appealed youths to get basics of banking sector for financial support. These bank officers have replied to questions from the youths. The workshop was anchored by Mr. Kaushal Kishor (State Manager, PSL) and a team of Mr. Kirti Rawat, Mr. Lalan Saw and Mr. Subodh Kumar from RTC, Hazaribag has supported the event.

## केस स्टडी
## CASE STUDY

# कदम–दर–कदम

दुमका जिला के जामा प्रखंड अतर्गत सिमरा पंचायत में धानाडीह गाँव के श्री राजेश राणा की बेटी रजनी कुमारी (6 वर्ष) जन्म से ही बहुविकलांगता से पीड़ित थी। वह अपने हाथ-पैर, कमर आदि हिलाने-डुलाने से असमर्थ थी और ठीक से बैठ पाना भी उसके लिए असंभव था। लगातार निष्क्रियता से उसे चर्मरोग भी हो गया था। सीबीएम-ऑसएड समर्थित दिव्यांगों के समुदाय आधारित कार्यक्रम अंतर्गत न.भा.जा. केंद्र द्वारा इस मामले पर जून 2012 में पहल की गयी, जब श्री राजू शील (क्षेत्रीय कार्यकर्ता) ने रजनी की पहचान किया था और श्री विपुल कुमार (फिजियोथेरेपिस्ट) व सुश्री चन्द्रा दास (विशेष शिक्षक) की मदद से इस बच्ची को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया। इस टीम ने नियमित रूप से रजनी के घर पर जाकर उसे फिजियोथेरेपी, पौष्टिक आहार तथा अन्य सेवा प्रदान किया। इसके माता-पिता की काउन्सेलिंग हुई और उन्हें, विशेष रूप से माँ को रजनी की उचित देखरेख हेतु प्रशिक्षित किया गया। इससे काफी फायदा हुआ। रजनी का चर्मरोग ठीक हो गया, उसके हाथ-पैर में शक्ति आने लगी, उसने चलना सीखा, समाजीकरण होने लगा और वह घरेलू सामानों की पहचान करना सीख गयी। गांव के ही आंगनवाड़ी केंद्र में इसका नामांकन हुआ है और अपनी माँ के साथ यह वहां पैदल चलकर जाती है। रजनी में आये इस बदलाव से पूरा परिवार खुश है।

# Rajni Steps Forward

Rajni Kumari is a 6 years old daughter of Mr. Rajesh Rana, village – Dhanadih of Simra panchayat in Jama block of Dumka district. She was unable to move her hands, legs or waist and incompetent even to sit her own as born with multi-sensory impairments. The girl was suffering from skin problem too due to prolonged inactivity. NBJK's intervention started under Integrated CBR program with support of CBM-AusAid. In June, 2012 Mr. Raju Sheel (field worker) has identified Rajni and took related initiatives with help of Mr Bipul Kumar (physiotherapist) and Ms Chandra Das (special animator). This team has provided home based services of physiotherapy with education to Rajni and counseling to her parents. She was provided nutritional supplement also. Regular movement of limbs brought strength for Rajni and she recognizes household items. NBJK staffs have trained her mother also. Now Rajni can stand on her legs, she walks for short distance and talks to family members or friends. She has been enrolled at her village based Aanganwadi and goes there with her mother. Her parents are happy to become a part of this change.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : विनय भट्ट
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम : अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाष : +91 8809672146, +91 9835751159
ई-मेल : nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

***To,***

केवल निजी वितरण हेतु

2852/16 • www.kailashpaper.org • 92631 80313 / 14 / 15